भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृ ष प्रणाली अनुसंधान संस्थान

ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)

फोन/Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स/Fax : 0121-288 8546

ईमेल/Email: director.iifsr@icar.gov.in

दिनांक– 04.12.2021

प्रेस विज्ञप्ति

कृषि प्रणाली संस्थान में "जैविक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना" की 16वीं वार्षिक बैठक का आयोजन

मोदीपुरम स्थित भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान में दिनांक 3–4 दिसंबर, 2021 तक चलने वाली "जैविक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना" की 16वीं वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। कोरोना महामारी के प्रति सतर्कता बरतते हुए बैठक का आयोजन संकर मोड (वर्चुअल तथा फिजिकल दानों) से किया गया। बैठक का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (एन.आर.एम.), नई दिल्ली के उप–महानिदेशक डॉ. एस.के. चौधरी जी ने दिनांक 3 दिसंबर, 2021 को किया। डॉ चौधरी जी ने अपने उद्घाटन भाषण में बताया कि, आज हमारा देश जैविक किसानों की संख्या के मामले में विश्व में पहला स्थान रखता है और, यहां पर विश्व के 40 प्रतिशत से अधिक जैविक किसान खेती करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार की परंपरागत कृषि विकास योजना और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा जैविक खेती पर शोध और विकास पर किए गए सामूहिक प्रयासों से आज हम जैविक खेती को आगे बढ़ाने में काफी सफल हुए हैं। इसके बावजूद वैज्ञानिकों को जैविक खेती में उपज अंतर को कम करने हेतु फसलों के पोषण एवं नाशीजीव प्रबंधन पर और अधिक गहन शोध करने की आवश्यकता है। डॉ यस. भास्कर, सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। सहायक महानिदेशक महोदय ने अपने संबोधन में बताया कि, आज कृषि प्रणाली संस्थान के शोध उपलब्धियों की सफलता के कारण उत्तर पूर्व भारत के कई गांवों को हम जैविक गांव में परिवर्तित करने में सफल हुए हैं। आज कृषि प्रणाली संस्थान व देश भर में फैले उसके अन्य शोध केंद्रों द्वारा जैविक खेती में पारिस्थितिकी सेवाओं तथा प्राकृतिक खेती पद्धतियों के मूल्यांकन पर भी गहन शोध कार्य चल रहा है। दिनांक 4 दिसंबर, 2021 को आयोजित समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ आर. के. मित्तल, कुलपति, सरदार पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ, ने की। डॉ. मित्तल जी ने अपने संबोधन में जैविक खेती में उपज बढ़ाने हेतु मृदा एवं फसलों की सुरक्षा पर और गहन शोध की आवश्यकता जताई। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जैविक खेती के ऊपर विभिन्न शोध केंद्रों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं व अन्य उपयोगी प्रकाशनों का मुख्य व विशिष्ट अतिथि द्वारा विमोचन भी किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ आजाद सिंह पँवार ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, अन्य वैज्ञानिक अतिथियों तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में बताया कि सन 2003 में 13 केंद्रों पर आरंभ होने वाली इस परियोजना में आज देश के 16 राज्यों के 20 केंद्र जैविक

खेती पर शोध व विकास के कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि, कृषि प्रणाली संस्थान आज जैविक खेती पर शोध के साथ–साथ इसके प्रसार एवं जन जागरूकता पर भी अधिक जोर दे रहा है। दो दिनों तक चलने वाली इस बैठक में देश के 20 विभिन्न केंद्रों के प्रधान अन्वेषणकर्ता वैज्ञानिकों ने अपने–अपने केंद्रों की शोध प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आगे के शोध कार्यक्रमों एवं प्रयोगों की दिशा व दशा तय करने पर विधिवत चर्चा की गई तथा निर्णायक संस्तुतियों को भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ एन. रविशंकर जी ने जैविक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क परियोजना की प्रगति और उपलब्धियों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत देश के विभिन्न कृषि–जलवायवीय क्षेत्रों हेतु 62 फसल प्रणालियों की पहचान की गई है। साथ ही साथ 15 फसलों की 78 प्रजातियों की पहचान भी की गई है। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर पूनम कश्यप ने किया। डॉ आशीष प्रुष्टि ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।